The Economic Times 18 August, 2017

Telecom Sector to Generate 30 Lakh Jobs by 2018: Study

New Delhi: Roll-out of 4G technology with an increase in data, entry of new players in the market, introduction of digital wallets and the popularity of smartphones leading to consistent increase in demand for technology are likely to increase job opportunities in the telecom sector by 30 lakh by 2018, a study said here on Thursday.

Emerging technologies such as 5G, M2M and the evolution of Information and Communications Technology (ICT) are expected to create employment avenues for almost 8,70,000 individuals by 2021, revealed a joint study by Assocham-KPMG.

It said the existing manpower in the sector may not be adequate both in number as well as in skill to cater to the upcoming demand.

"There is a need to bridge the gap in skill which on the one hand would require identification of skilled manpower in diverse roles such as infra and cyber security experts, application developers, sales executives, infrastructure technicians, handset technicians etc. as well as on the other hand re-skilling of existing manpower working on existing technologies for them to be updated with upcoming requirements."

The Telecom Sector Skill Council has been set up to cater to the demands and skill needs of the telecom sector. — PTI

Business Standard 18 August, 2017

Telecom sector to create 3-mn jobs by 2018, claims study

PRESS TRUST OF INDIA
New Delhi, 17 August

The telecom sector could generate 3 million jobs by 2018 on the back of rapid 4G technology deployments, rising data consumption, use of digital wallets and smartphone adoption, claims an Assocham-KPMG study.

The optimistic job assessment comes at a time when telecom companies are battling financial stress and competition has led to a free fall in tariffs, putting pressure on revenue and profitability of operators.

"The telecom sector finds itself in an unenviable position where despite falling average revenue per user, the players are forced to invest significantly in infrastructure and technology upgrades in order to maintain competitiveness," it said.

The study said the existing manpower in the sector may not match up to the upcoming demand, both in numbers and required skill sets. The study also acknowledged that the competition in the sector has increased putting pressure on operators' margins.

ASSOCHAM IN THE NEWS

The Hindu Business Line 18 August, 2017

'Telecom to generate 30 lakh jobs'

New Delhi, August 17

Rollout of 4G technology with an increase in data, entry of new players, introduction of digital wallets and the popularity of smartphones leading to consistent increase in demand for tech are likely to increase job opportunities in the telecom sector by 30 lakh by 2018, revealed a joint study by Assocham-KPMG. Emerging technologies such as 5G, M2M and the evolution of Information and Communications Technology are expected to create employment avenues for almost 8,70,000 individuals by 2021, it said. IANS

ASSOCHAM IN THE NEWS
Amar Ujala
18 August, 2017

दूरसंचार में 2018 तक 30 लाख नौकरियां

एसोचैम और केपीएमजी रिपोर्ट के अनुसार नौकरियों की मांग के मुकाबले मौजूदा श्रमबल और कौशल पर्याप्त नहीं

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली।

दूरसंचार क्षेत्र में 2018 तक 30 लाख नौकरियों के अवसर पैदा होने जा रहे हैं। यह बात एक ताजा रिपोर्ट में बृहस्पतिवार को कही गई है। एसोचैम और केपीएमजी द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई रिपोर्ट के मुताबिक 4जी तकनीक की शुरुआत और डाटा उपयोग में वृद्धि, बाजार में नई-नई कंपनियों के आगमन, डिजिटल वॉलेट के चलन तथा देशभर में स्मार्टफोन की बढ़ती लोकप्रियता से इन नई नौकरियों के दरवाजे खुलेंगे।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नौकरियों की मांग को पूरा करने के लिए टेलीकॉम सेक्टर में काम करने वाले लोगों की मौजूदा संख्या और उनके पास मौजूद तकनीकी कौशल पर्याप्त नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक 5जी और एम2एम की उभरती तकनीक तथा सूचना और संचार तकनीक (आईसीटी) में द्रुत गति से हो रहे विकास से 2021 तक करीब 8,70,000 लोगों को नौकरियां मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस क्षेत्र में अभी काम करने वाले लोगों में दक्षता की कमी को दूर करने की जरूरत है। इसके लिए एक इंफ्रा और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, एप्लीकेशन डेवलपर्स, सेल्स एक्जीक्यूटिव्स, इंफ्रास्ट्रक्चर तकनीशियन, हैंडसेट तकनीशियन जैसे विविध भूमिकाओं में दक्ष श्रम बल की पहचान करने की जरूरत होगी। इसके साथ ही मौजूदा तकनीकों पर काम कर रहे पेशेवरों की दक्षता को बढ़ाना भी होगा, ताकि वे भविष्य की जरूरत के लिए तैयार हो सकें।

उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ साल में दूरसंचार क्षेत्र का ग्राहक सदस्यता आधार पर सालाना 19.6 फीसदी की दर से विस्तार हुआ है, जबकि इसी दौरान आय के नजरिए से सालाना 7.07 फीसदी की रफ्तार से विकास हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने निरंतर अपने नेटवर्क में निवेश किया है और अपने नेटवर्क इंफ्रास्टक्चर का आधुनिकीकरण किया है। इन कंपनियों का पूंजीगत व्यय निवेश 2017 की पहली तिमाही में 850 अरब रुपये का था।

Dainik Bhaskar

18 August, 2017

न्यूज ब्रीफ

टेलिकम्युनिकेशन सेक्टर में 2018 तक 30 लाख नौकरियां: स्टडी

नई दिल्ली| 4जी टेक्नॉलजी की शुरुआत के साथ डेटा में वृद्धि, बाजार में नई कंपनियों का आगमन, डिजिटल वॉलेट्स का चलन और स्मार्टफोन्स की बढ़ती लोकप्रियता से टेलिकॉम सेक्टर में 2018 तक 30 लाख नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। एक स्टडी रिपोर्ट में यह बात कही गई है। एसोचैम-केपीएमजी की ज्वाइंट स्टडी रिपोर्ट के मुताबिक, 5जी, एम2एम की उभरती टेक्नॉलजी और इनफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (ICT) में विकास से 2021 तक 8,70,000 लोगों को नौकरी मिलने की संभावना है। इसमें कहा गया है कि आने वाली डिमांड को पूरा करने के लिए इस सेक्टर में मौजूद लोगों की संख्या या उनका स्किल पर्याप्त नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'स्किल की कमी को पूरा करने की जरूरत है। इसके लिए इंफ्रा और साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स, ऐप्लिकेशन डिवेलपर्स, सेल्स एग्जीक्युटिव्स, इंफ्रास्ट्रक्चर टेक्निशन, हैंडसेट टेक्निशन आदि के रूप में स्किल्ड मैनपावर के पहचान की जरूरत होगी। इसके साथ ही मौजूदा टेक्नॉलजी पर काम कर रहे लोगों को अपडेट करना होगा।

Hindustan 18 August, 2017

दूरसंचार क्षेत्र में 30 लाख नए अवसर

नई दिल्ली। दूरसंचार क्षेत्र वर्ष 2018 तक रोजगार के 30 लाख अवसर सृजित कर सकता है। 4जी प्रौद्योगिकी के तेज विस्तार, बढ़ती डाटा खपत, डिजिटल वॉलेट में वद्धि और स्मार्टफोन की अधिक स्वीकार्यता से रोगजार के मौके बढ़ेंगे।

उद्योग और वाणिज्य संगठन एसोचैम तथा केपीएमजी के अध्ययन में यह दावा किया गया। इसमें कहा गया कि दूरसंचार क्षेत्र ऐसी स्थिति में है जहां प्रति उपभोक्ता राजस्व में कमी के बाद भी वे आधारभूत संरचना तथा तकनीकी बेहतरी के लिए निवेश बढ़ाने को मजबूर हैं। **(एजेंसी)**

Rajasthan Patrika

18 August, 2017

एसोचैम- केपीएमजी की रिपोर्ट...

टेलीकॉम सेक्टर में अगले साल मिलेंगे 30 लाख जॉब

19.6% कंपाउंड एन्यूवल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) की हिसाब से बढ़ा है टेलीकॉम सेक्टर

85,003 करोड़ रुपए रहा है पहली तिमाही में कंपनियों का कैपिटल एक्सपेंडीचर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

नई दिल्ली. नए जॉब ढूढ़ने वाले युवाओं के लिए अच्छी खबर है। अगले साल कई सेक्टर में बड़ी संख्या में नियुक्तियां निकलने वाली हैं। सिर्फ टेलीकॉम सेक्टर में ही 2018 में करीब 30 लाख नई नौकरियां आने वाली है। यह जानकारी एसोचैम-केपीएमजी ने अपने सुयुक्त अध्यन के बाद दी है। रिपोर्ट के अनुसार 4जी आने के बाद, देश के टेलीकॉम सेक्टर में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। स्मार्टफोन की दुनिया में डिजिटल पेमेंट, सोशल नेटवर्किंग और ई-कॉमर्स जैसी सुविधाएं बढ़ने से तकनीकी क्षेत्र में नौकरियों की संख्या बढ़ेगी। इसके साथ ही 5जी, एम2एम और इंफार्मेशन एवं कम्यूनिकेशन की दुनियां में तेजी से हो रहे बदलाव के साथ वर्ष 2021 तक 8,70,000 नौकरियों की जरूरत होगी।

किनको मिलेगा मौका

स्टडी के मुताबिक टेलीकॉम सेक्टर में पैदा होने वाली नौकरियों में वैसे युवाओं को मौका मिलेगा जो तकनीक में अधिक रुचि रखते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट, एप्लिकेशन डेवलपर्स, सेल्स एग्जीक्यूटीव, इंफा टेकनिशियन, हैंडसेट टेकनिशियन आदि कौशल वाले लोगों की मांग सबसे ज्यादा होगी। इसके साथ ही साथ मौजूदा टेक्नोलॉजी के साथ काम कर रहे लोगों को भी आगे आने वाली नई टेक्नोलॉजी के लिए अपग्रेड करना होगा।

डिमांड के अनुसार नहीं है मैनपावर

स्टडी के अनुसार, टेलिकॉम सेक्टर में अभी जो मैनपावर है वह आने वाली डिमांड को पूरी करने के लिए संख्या और स्किल के हिसाब से पर्याप्त नहीं है। इस अंतर को खासकर स्किल के हिसाब से भरने की आवश्यकता है।

टेक्नोलॉजी के साथ करना होगा अपडेट

2016 के आखिर तक भारत में इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 39.15 करोड़ थी। यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसके लिए इसके लिए मौजूदा मैनपावर को भी आगे आने वाली नई टेक्नोलॉजी के साथ अपडेट करने की जरूरत होगी।